कार्यालय श्री साँवलियाजी मंदिर मण्डल
मण्डफिया, जिला–चित्तौड़गढ

बैठक कार्यवाही विवरण

बैठक दिनांक 28.04.2014

आज दिनांक 28.04.2014 को श्री सांवलियाजी मन्दिर की विस्तार योजना एवं आवश्यक व्यवस्थाओं एवं गतिविधियों के समीक्षा बाबत् बैठक का आयोजन किया गया जिसमें निम्न पदाधिकारियों/अधिकारियों ने भाग लिया–

1. श्री भेरूलाल जी गुर्जर, अध्यक्ष, श्री सांवलियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया
2. श्री हरजी लाल अटल, मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं सदस्य सचिव, श्री सांवलियाजी मन्दिर बोर्ड, मण्डफिया
3. श्री ममतेशजी शर्मा, बोर्ड सदस्य, श्री सांवलियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया
4. श्री मनोहरलालजी सोनी, बोर्ड सदस्य, श्री सांवलियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया
5. श्री शोभालालजी गाडरी, बोर्ड सदस्य, श्री सांवलियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया
6. श्री श्रीलालजी पाटीदार, बोर्ड सदस्य, श्री सांवलियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया
7. श्री भंवरदासजी वैष्णव, बोर्ड सदस्य, श्री सांवलियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया
8. श्री दिनेशचन्द्र व्यास, सहायक अभियन्ता, श्री सांवलियाजी मन्दिर मण्डल
9. संवेदक श्री रमेशचन्द्र वास्ते सारस्वत कला केन्द्र, कोलीवाडा(सुमेरपुर) जिला–पाली
10. संवेदक प्रतिनिधि श्री छोगालाल, सोमपुरा मार्बल्स, पिण्डवाडा
11. संवेदक श्री अनिल मालवीया, मै0 मालविया क्राफ्ट,आबूरोड

बैठक में सर्वप्रथम मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा सहायक इंजीनियर, श्री दिनेशचन्द्र व्यास, श्री सांवलियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया से मन्दिर मण्डल द्वारा

करवाये जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यो की जानकारी प्राप्त की गई एवं मन्दिर निर्माण को गति प्रदान करने हेतु आगामी योजना की रूपरेखा तैयार कर निम्न निर्णय लिये गये–

1. अध्यक्ष महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि मन्दिर मण्डल में यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए भगवान के व्यवस्थित रूप से दर्शन करने हेतु मुख्य मन्दिर की सीढ़ियों से भण्डार पेटी तक दो लाईन में तीन पाईप की पीतल रेलिंग लगाई जाना उचित होगा जिस पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित संवेदक, सारस्वत कला केन्द्र, कोलीवाडा जिला पाली, जिनके द्वारा पूर्व में मन्दिर चौक में पीतल रेलिंग लगाने का कार्य सम्पादित किया गया को पूर्व की दरों पर पीतल रेलिंग लगाने की वार्ता की जाकर पूर्व की दरों पर पीतल की रेलिंग वर्तमान में मन्दिर के पूर्वी गेट के बाहर जहां पर डी.एफ.एम.डी. लगी हुई है वहां से चांदी के मुख्य भण्डार पेटी तक पीतल की रेलिंग लगाने की अनुमति संवेदक की सहमति अनुसार सर्वसम्मति से प्रदान की गई।
2. अध्यक्ष महोदय द्वारा ध्यान में लाया गया कि भगवान श्री सांवलियाजी के मन्दिर में वर्तमान में जो लोहे की भण्डार पेटी लगी हुई है वह मन्दिर की प्रतिष्ठा के अनुरूप उचित नही है। अतः इस लोहे की दान पेटी के स्थान पर पूर्व में लकडी की दानपेटी मन्दिर मण्डल द्वारा बनवायी गई है जिस पर चांदी का पतरडा नही चढा होने के कारण लगभग एक वर्ष से मन्दिर प्रांगण में रखी हुई है जिसका कोई उपयोग नही हो रहा है। अतः उक्त लकडी की दानपेटी पर चांदी का पतरडा चढवाने की कार्यवाही अमल में लायी जाना आवश्यक है। साथ ही मुख्य मन्दिर में लगे लकडी के शेष तीन दरवाजों पर भी चांदी चढवाई जाना प्रस्तावित है। जिस पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा सहायक अभियन्ता से पूर्व में क्रय की गई चांदी एवं वर्तमान में गर्भगृह में सुरक्षित रखी चांदी की वर्तमान स्थिति की जानकारी चाही गई। बैठक के दौरान कार्यालय द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व में मन्दिर मण्डल द्वारा मै0 एम.एम.टी.सी., जयपुर (भारत सरकार का उपक्रम) से करीब 120 किलोग्राम चांदी लकडी के दरवाजों पर चढाने हेतु क्रय की गई थी वह चांदी मन्दिर गर्भगृह में सुरक्षित रखी हुई है जिसका चांदी का पतरडा तैयार उपयोग में

लिया जाना प्रस्तावित है तथा इसके अलावा लकडी के भण्डार हेतु यदि चांदी की आवश्यकता और महसूस होने पर मै0 एम.एम.टी.सी., जयपुर (भारत सरकार का उपक्रम) से क्रय की जाना उचित होगा। इस पर बैठक में उपस्थित बोर्ड के पदाधिकारियों द्वारा सर्वसम्मति से उक्त चांदी का कार्य निष्पादन हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किये गये।

3. मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि मुख्य मन्दिर में वर्तमान में जो सी.सी. टी.वी. कैमरे लगा रखे है वे काफी पुराने होकर बार–बार खराब हो जाते है जिन्हे बार–बार मरम्मत कराना पडता है तथा उक्त कैमरे की पिक्चर क्वालिटी कम मेगापिक्सल की होने से कम्प्यूटर पर उनकी तस्वीरें स्पष्ट नही होकर धूमिल छवि की प्रतीत होती है एवं मन्दिर परिसर कॉरीडोर में भी सुरक्षा की दृष्टि से सी. सी. कैमरे लगवाया जाना नितांत आवश्यक है। साथ ही मन्दिर सुरक्षा हेतु वर्तमान में लगे हुए डी.एफ.एम.डी. की संख्या में बढोत्तरी करते हुए प्रत्येक द्वार पर उच्च तकनीक के डी.एफ.एम.डी. लगाये जावे अतः इस हेतु अत्याधुनिक तकनीक वाले सी.सी. टी.वी. कैमरे एवं सम्बन्धित कम्प्यूटर/एल.सी.डी. तथा डी.एफ.एम.डी. नियमानुसार क्रय किये जावे ताकि मन्दिर सुरक्षा को मजबूती प्रदान की जा सके। जिस पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा बाजार से प्रचलित दर पर अधिकृत डीलर से सी.सी. टी.वी. कैमरे व डी.एफ.एम.डी. क्रय कर आवश्यक व्यवस्था की जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। जिस पर बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मन्दिर की सुरक्षा सर्वोपरि है तथा पूर्व बोर्ड बैठकों में मन्दिर की सुरक्षा व्यवस्था हेतु लिये गये आवश्यक निर्णय की क्रियान्विति हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किये जाते है। वे अपने विवेक से बोर्ड को अवगत कराते हुए आवश्यक कार्य सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

4. अध्यक्ष महोदय द्वारा बैठक में अवगत कराया कि मन्दिर में निर्माणरत कॉरीडोर के फर्श निर्माण का कार्य अधूरा पडा हुआ है जिस पर सहायक अभियन्ता द्वारा पूर्व में मन्दिर वास्तुकार श्री सी.बी. सोमपुरा, द्वारा साथ लाए गए रखे हुए संगमरमर पत्थर के नमूनो को प्रस्तुत कराया गया। अध्यक्ष महोदय द्वारा उक्त पत्थरों की दरें

अत्यधिक प्रतीत होने से अन्य संगमरमर पत्थर के 5 नमूने बैठक में अवलोकनार्थ रखे गये जिनमें से बोर्ड द्वारा उदयपुर ब्राउन संगमरमर पत्थर लगाने पर सहमति प्रकट की गई। तद्नुसार कोरीडोर का कार्य अविलम्ब सम्पादित कराना सुनिश्चित किया जावे। जिस हेतु पूर्व में कार्यरत संवेदक मै0 सोमपुरा मार्बल्स, पिण्डवाडा एवं मै0 मालवीया क्राफ्ट, आबूरोड को पूर्व की स्वीकृत दरों पर उदयपुर ब्राउन संगमरमर पत्थर लगाने का कार्य निष्पादित करने हेतु सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

5. अध्यक्ष महोदय द्वारा बैठक में अवगत कराया कि भगवान श्री सांवलियाजी के दर्शन हेतु आने वाले यात्रियों के व्यवस्थित दर्शन करने हेतु लाईनवार दर्शन की व्यवस्था की जाना उचित होगा क्योंकि सभी यात्री एक साथ मुख्य द्वार से दर्शन हेतु प्रवेश करते है तो किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने की सम्भावना बनी रहती है। अतः यात्रियों हेतु मन्दिर की सीढियों (गरूडजी के मन्दिर से) से परिसर के आगे से प्रारम्भ कर ओझाजी का कुआं से होते हुए पथवारियान कुई की फाटक तक लोहे की रेलिंग तीन लाईन की तथा लगवाई जाना उचित होगा साथ ही अध्यक्ष महोदय द्वारा उक्त रेलिंग के ऊपर छाया हेतु फाईबर शीट लगाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। जिस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा पूर्व में रेलिंग निर्माण का कार्य कर रहे संवेदक मै0 अक्सा इंजीनियर्स, उदयपुर से पूर्व की स्वीकृत दरों पर उक्त कार्य करने पर चर्चा की गई संवेदक मै0 अक्सा इंजीनियर्स, उदयपुर द्वारा पूर्व दरों पर कार्य करने की सहमति प्रदान की गई एवं पूर्व में फाईबर शीट हेतु जारी निविदा में उपस्थित न्यूनतम निविदादाता एम. एम. कन्स्ट्रक्शन, गली नं0 6, चमनपुरा लोहा बाजार, उदयपुर को रेलिंग के ऊपर फाईबर शीट लगाने का कार्यदेश जारी करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। जिस पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा रेलिंग निर्माण संवेदक मै0 अक्सा इंजीनियर्स, उदयपुर से तुरन्त प्रभाव से उक्त लोहे की रेलिंग लगवाने हेतु कार्यादेश जारी करने एवं एम. एम. कन्स्ट्रक्शन, उदयपुर को फाईबर शीट का शेड निर्माण कार्य करवाने हेतु कार्यादेश जारी करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।

6. अध्यक्ष महोदय द्वारा बैठक में अवगत कराया कि मन्दिर कोरीडोर का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है एवं कोरीडोर की दीवारों पर पूर्व बोर्ड बैठकों एवं तकनीकी समिति द्वारा लिए गये निर्णय अनुसार कांच का कार्य करवाया जाना प्रस्तावित है। चूंकि इस सम्बन्ध में पूर्व में तत्कालीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा कांच के कार्य हेतु प्रस्ताव मांगे गये थे जिस पर उपस्थित तीन संवेदकों द्वारा अलग–अलग प्रकार के तीन मॉडल सेम्पल तैयार किये गये चूंकि सम्पूर्ण कोरीडोर में कांच का कार्य करवाया जाना अभी भी बाकी है एवं शीघ्र ही इस कार्य को सम्पादित करवाया जाना है ताकि कोरीडोर को पूर्णरूपेण मूर्तरूप प्रदान किया जा सके। इस पर बोर्ड द्वारा निर्णय लिया गया कि कोरीडोर में जिन संवेदकों द्वारा कांच के कार्य के सेम्पल बनाये गये है उनमें से सर्वोत्तम कार्य करने वाले संवेदक से नेगोशिएशन कर कार्यादेश जारी करने हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किये जाते है।
7. अध्यक्ष महोदय ने बोर्ड बैठक में अवगत कराया गया कि वर्तमान में गौशाला में गायों को व्यवस्थित रूप से छाया में रखने हेतु 4–5 बाडों का निर्माण करवाया जाना आवश्यक है एवं गौशाला के अन्दर पक्की सडके नहीं होने से बरसात के समय में कीचड हो जाने से गायों को आने–जाने व कार्मिकों द्वारा घास आदि की आपूर्ति करने में काफी समस्याओं का सामना करना पडता है अतः बाडों तक आने जाने के लिए बाडा निर्माण सहित पक्की डामर/सीसी सडक भी बनवायी जाना नितान्त जरूरी है। अध्यक्ष महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि इस सम्बन्ध में पूर्व बोर्ड बैठक दिनांक 28.02.2014 में निर्णय लिया जाकर वर्तमान में सडक एवं बाडा निर्माण कार्य कर रहे संवेदक से उक्त निर्माण कार्य करवाने की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। अतः उक्त कार्य को अविलम्ब अमल में लाये जाने हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किया जाता है।

तत्पश्चात् बैठक कार्यवाही सधन्यवाद समाप्त की गई।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी
श्री सांवलियाजी मन्दिर मण्डल
मण्डफिया, जिला–चित्तौड़गढ़